Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



कक्षा - 9

हिन्दी

क्षितिज (काव्य खंड)

अध्याय -8 : वाख (ललद्यद)

भाग - 1

कवयित्री परिचय, वाख

कुशाल सोलंकी

Under CSR Support by
ipca | Foundation

विवरण (Overview)

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



1. कवयित्री परिचय
2. वाख - व्याख्या

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



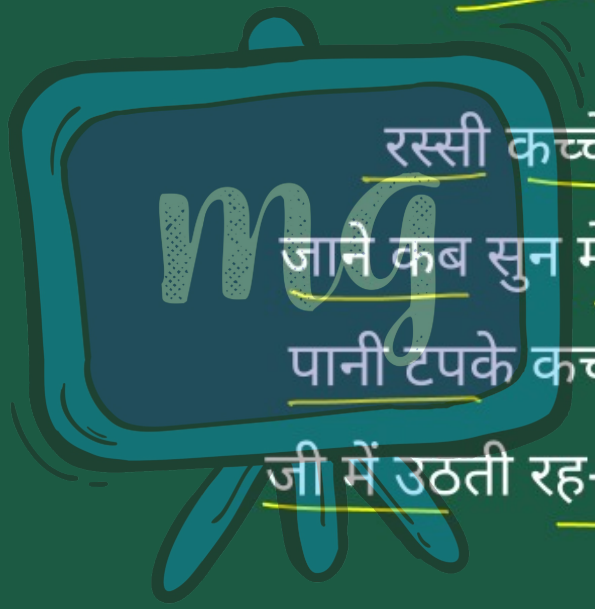
जन्म : सन् 1320

जन्म स्थान : पाम्पोर के सिमपुरा गाँव (कश्मीर)

निधन : सन् 1391

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

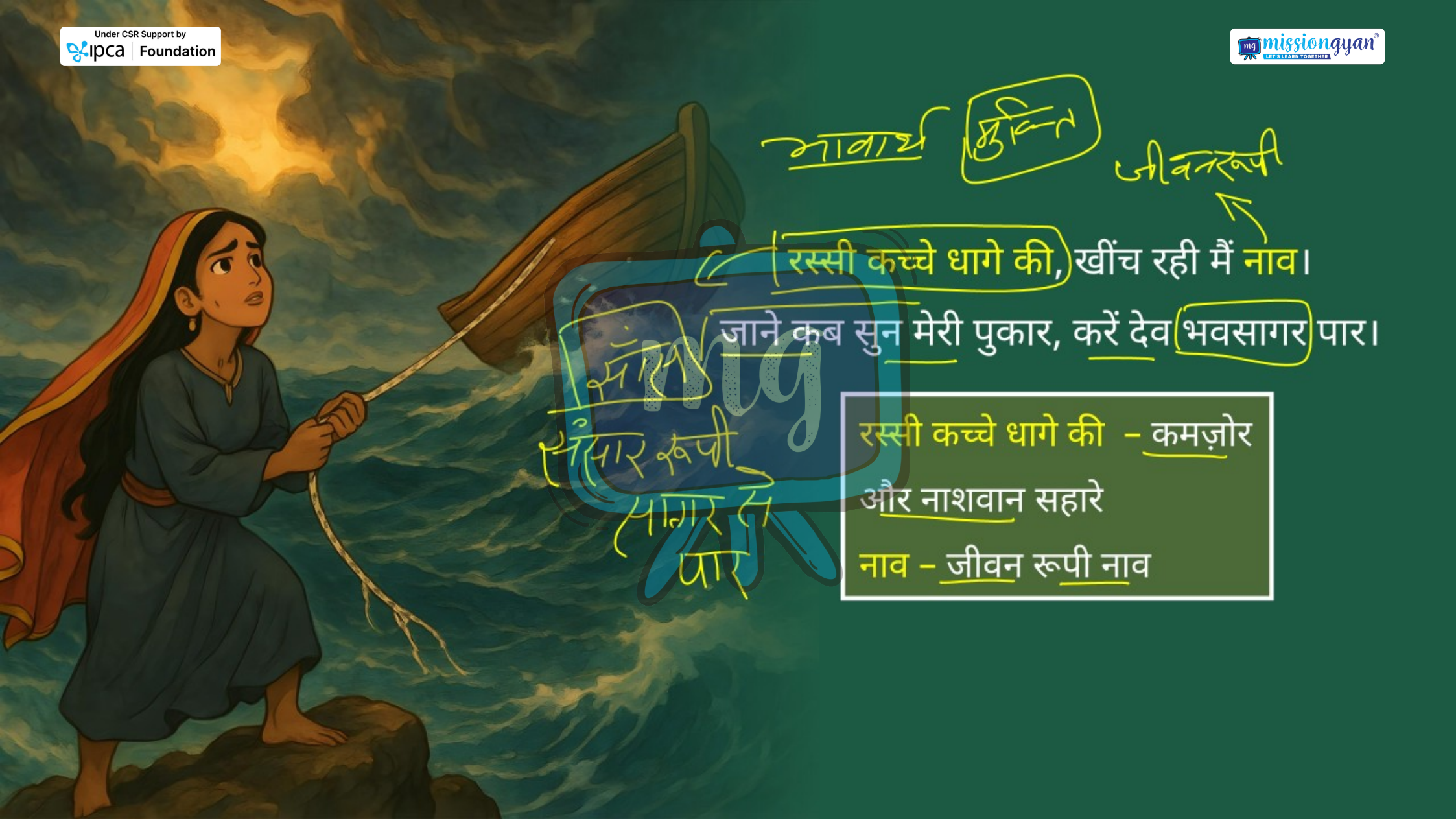


(1)

रस्सी कच्चे धागे की, खींच रही मैं नाव।
जाने कब सुन मेरी पुकार, करें देव भवसागर पार।
पानी टपके कच्चे सकोरे, व्यर्थ प्रयास हो रहे मेरे।
जी में उठती रह-रह हूक, घर जाने की चाह है घेरे।।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



भावार्थ युक्ति

जीवनरूपी

रस्सी कच्चे धागे की, खींच रही मैं नाव।
जाने कब सुन मेरी पुकार, करें देव भवसागर पार।

संसार रूपी सागर से पार

रस्सी कच्चे धागे की – कमज़ोर और नाशवान सहारे

नाव – जीवन रूपी नाव

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

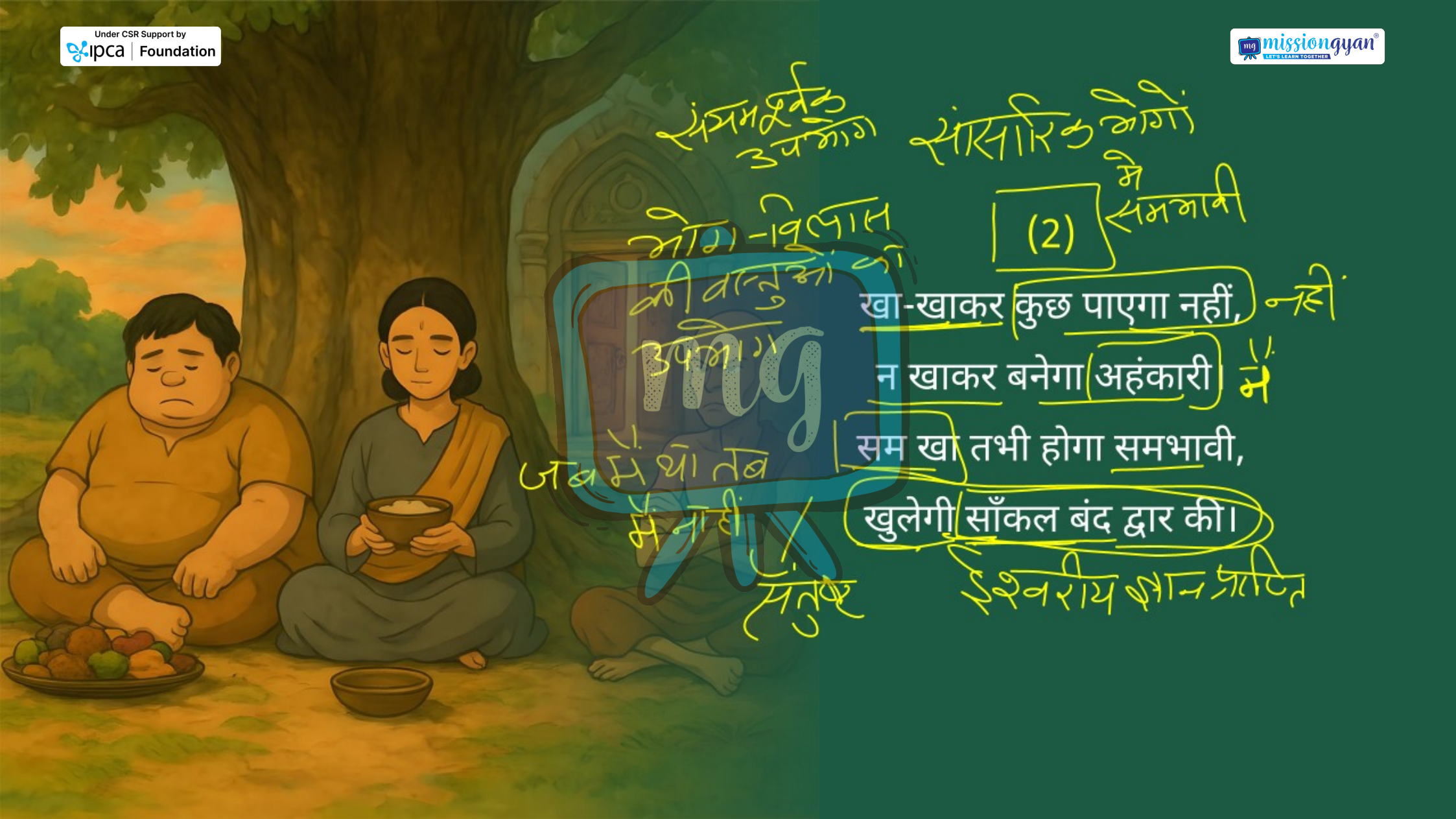


पानी टपके कच्चे सकोरे, व्यर्थ प्रयास हो रहे मेरे।
जी में उठती रह-रह हूक, घर जाने की चाह है घेरे।।

कच्चे सकोरे – स्वाभाविक रूप से कमज़ोर

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



(2)

खा-खाकर कुछ पाएगा नहीं,
न खाकर बनेगा अहंकारी
सम खा तभी होगा समभावी,
खुलेगी साँकल बंद द्वार की।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



खा-खाकर कुछ पाएगा नहीं,
न खाकर बनेगा अहंकारी।

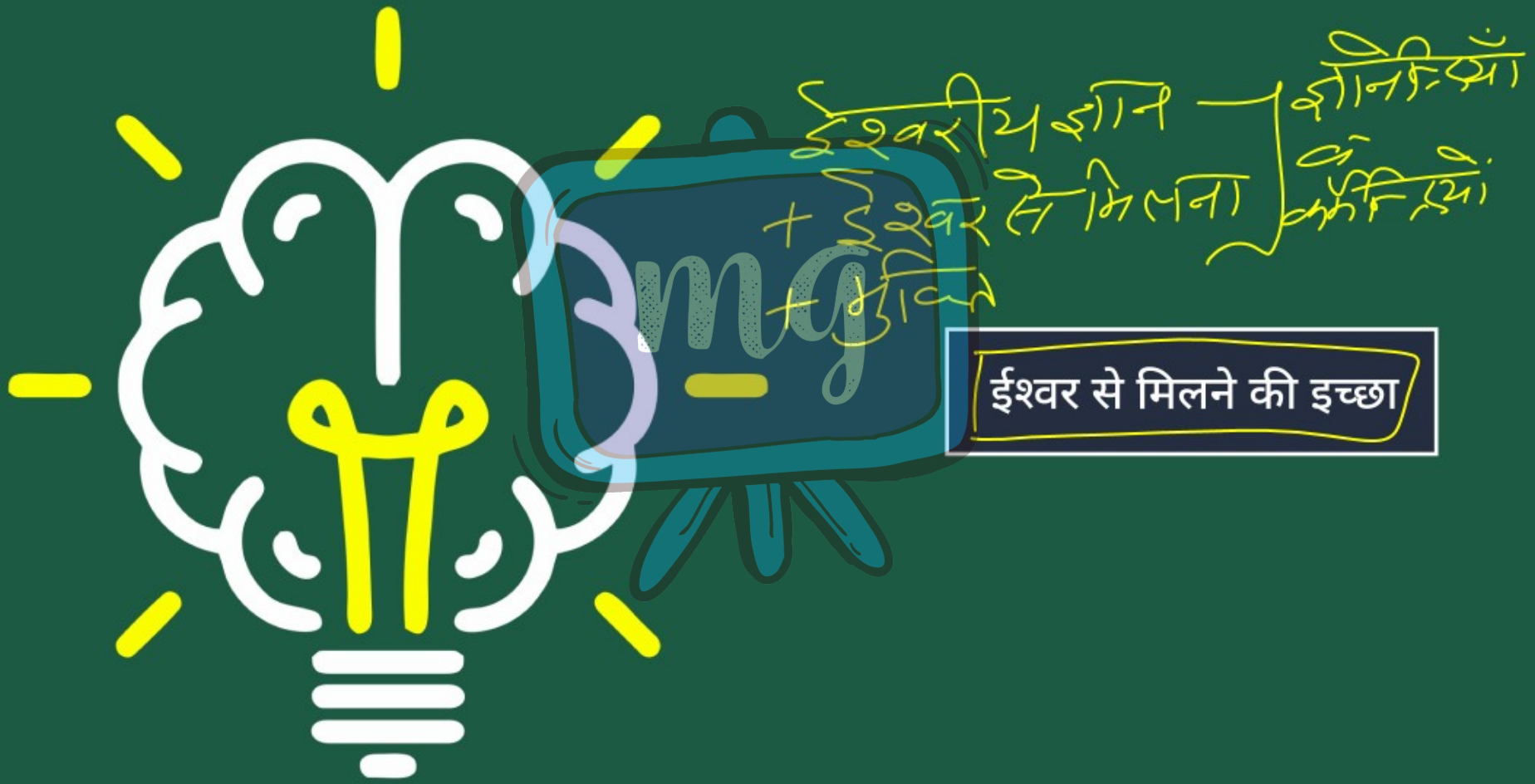
सम खा तभी होगा समभावी,
खुलेगी साँकल बंद द्वार की।

सम खा – अंत:करण तथा बाह्मा इंद्रियों का निग्रह
समभावी – समानता की भावना
खुलेगी साँकल बंद द्वार की – चेतना व्यापक होगी, मन मुक्त होगा

Under CSR Support by ipca | Foundation

सीखने के प्रतिफल (Learning Outcome)

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

मूल्यांकन (Assessment)

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



1 कवयित्री कच्चे धागे की रस्सी किसे कह रही है?

अ मानव-जीवन को

ब साधन-संपत्ति को

स नश्वरता को

द अपनी साँसों को

मूल्यांकन (Assessment)



2 पानी टपकने का क्या आशय है?

अ प्रेम का मिलना

ब काल का आना मृत्यु

स बारिश होना

द प्यास बुझना

मूल्यांकन (Assessment)



3 'खा-खाकर' का सांकेतिक अर्थ क्या है?

अ बहुत अधिक भोजन करके ✗

ब तला-सड़ा खाकर +

स सांसारिक सुखों का भोग करके

द भोग-विलास को अपनाकर

Under CSR Support by
ipca | Foundation

मूल्यांकन (Assessment)

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



4 समभावी किसे कहा गया है?

अ जो सदा समानता को महत्त्व दे।

ब जो सुख-दुख में समान रहे।

स जो भोग और संयम को समान महत्त्व दे।

द जो सबको समान माने।

मूल्यांकन (Assessment)



5 कवयित्री के हृदय में हूक क्यों उठ रही है?

अ पीड़ा के कारण

ब प्यास के कारण

स प्रभू-मिलन की चाह के कारण

द सुख-साधन न होने के कारण